



शंकर-172

(संशोधित ग्वार बीज)

बीज दर :- 2-3 किग्रा प्रति एकड़, बारानी और बरसात पर बोये जाने वाले क्षेत्र में बीज की मात्रा 4-5 किग्रा प्रति एकड़।

बुवाई का समय :- 15 जून से 20 जुलाई (पछेती बिजाई होने पर पैदावार में गिरावट हो सकती है।)

बुवाई का तरीका :- कतार से कतार की दूरी 30 सेमी. एवं पौधे से पौधे की दूरी 10 सेमी. रखें।

भूमि की तैयारी :- भूमि को 2-3 बार गहरी जुताई कर पाटा लगाकर समतल कर लें।

भूमि प्रकार :- लवणीय व क्षारीय न हो। चिकनी मिट्टी अधिक न हो।

उर्वरक प्रबंधन :- नत्रजन 10-12 किग्रा प्रति एकड़

फास्फोरस 15 किग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार :- 1.5-2 ग्राम बाविस्टिन (कार्बेन्डाजिम 50% wp) प्रति किलो बीज दर से।

खरपतवार नियंत्रण :- पेंडीमिथिलिन 38.7% CS 4-5 एमएल प्रति लीटर पानी की दर से बिजाई से 24 घंटे से पहले छिड़काव करें।

कीट एवं रोग प्रबंधन :-

झुलसा रोग :- कॉपर ऑक्सीक्लोराईड 50% WP 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

सफेद मक्खी / जैसिड :- इसके नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL 1 मिली. प्रति लीटर पानी की दर से या 2.5-3 एमएल रोगोरो प्रति लीटर पानी दर से छिड़काव करें।

सिंचाई :- 2-3 सिंचाई (सिंचित क्षेत्रों में), असिंचित क्षेत्र में वर्षा पर निर्भर।

कटाई :- पकाव 100 से 110 दिन में हो जाता है 85% फलियां पकने पर कटाई शुरू कर दें। कटी हुई फसल को खेत में कुछ दिनों तक शुष्क होने के लिए छोड़ दें।

चेतावनी :- उपरोक्त सुझाई गई विधियां कम्पनी के अनुसंधान केन्द्रों पर लिए गए परीक्षणों पर आधारित है इसमें स्थान व पर्यावरण के अनुसार बदलाव संभव है। अच्छी फसल की प्राप्ति के सम्बंध में मार्गदर्शन के लिए निकटतम राज्य कृषि विश्वविद्यालय / कृषि विज्ञान केन्द्र / निकटवर्ती कृषि अधिकारी से सलाह लें।

निर्माता एवं विपणनकर्ता :

जय शंकर सीड्स प्रा. लि.

E-176, फेज फर्स्ट, रिको इण्डस्ट्रीयल एरिया
श्रीगंगानगर - 335002 (राजस्थान)



संकर-172

(सोपिआ गुआर बीज)

बीज दर :- 2-3 किलो पृथी ऐकड़ अते घराणी खेतरां विंच, बीज दी मात्रा 4-5 किलो पृथी ऐकड़ है।

बिजाई का समय :- 15 जून से 20 जुलाई (जेकर बिजाई देर नाल कीती गयी तां झाड़ पृथाविड होवेगा गिरावट आ सकदी है।)

बिजाई का तरीका :- कतार से कतार का फासला 30 सैटीमीटर अते पेंदे से पेंदे का फासला 10 सैटीमीटर रेंधे।

जमीन की तैयारी :- जमीन नूँ 2-3 वार डूँपा वारो अते सुहागे दी वरते करके इसनूँ पेंपर करे।

मिट्टी की किसम खारी जां नही होटी चाहीदी। जिआदा चीकटी मिट्टी नही होटी चाहीदी।

खाद पृषपन :- नाईट्रोजन 10-12 किलो पृथी ऐकड़

फासफोरस 15 किलो पृथी ऐकड़

बीज उपचार :- 1.5-2 ग्राम बाविस्टिन (कार्बेन्डाजिम 50% WP) पृथी किलो बीज। नदीनां दी रोकथाम लई बिजाई से 24 घंटे पहिलां पेंडीमिथिलिन 38.7% CS @ 4-5 मि.ली. पृथी लीटर पाणी विंच मिला के सपरे करे।

कीडे अते रोग पृषपन:-

झुलसा रोग :- कापर आक्सीक्लोराईड 50% WP 2.5 ग्राम पृथी लीटर पाणीदी दर से सपरे करे।

सफेद मक्खी/जैसिड :- इसके नियंत्रण लई इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL दी वरते करे। पृथी लीटर पाणी 1 मिलीलीटर जां रोगर 2.5-3 मिलीलीटर पृथी लीटर पाणी दी दर नाल सपरे करे।

सिंचाई :- 2-3 सिंचाईयां (सिंचाई वाले खेतरां विंच) गैर-सिंचाई वाले खेतरां विंच घारिसुं से निरडर।

कटाई :- पकटा 100 से 110 दिन विंच हुंदा है। 85% फलीयां पकटा से कटाई सुुरु करे। कटी होटी फसल नूँ कुंज दिन लई सुंकटा लई खेत विंच डंड दिअ।

सावधानी :- उपरोक्त सुझाए गये तरीके कपनी दे खेज केदरां से कीते गये परीखनां से अपारत हन अते सषान अते वातावरण दे अपारत से वंख-वंख हो सकदे हन। चंरी फसल पूापड करन लई मात्रा दरसुन लई, आपटे नजदीकी राज खेतीघाड़ी जूनीवरसिटी/खेतीघाड़ी विगिआन केदर/नेडले खेतीघाड़ी अपिकारी नाल सलाह करे।

निरमाता अते मारकिट :

जै संकर सीड्स प्रा. लि.

E-176, फेज-1st, RIICO इंडस्ट्रीअल एरिया
श्री गंगानगर - 335002, राजस्थान